**पत्र सूचना शाखा**
**सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0**

## राज्यपाल गणेश महोत्सव में सम्मिलित हुए

लखनऊः 14 सितम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने रामाधीन इंटर कालेज, डालीगंज में आयोजित श्री गणेश प्राकट्य महोत्सव 2016 में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गणेश का शाब्दिक अर्थ होता है लोगों का ईश्वर। इसलिये उन्हें देवों का देव माना जाता है। पहले गणपति की पूजा घरों में होती थी, बालगंगाधर तिलक ने आजादी के दृष्टिगत लोगों को जोड़ने के लिए गणपति पूजा को सामूहिक रूप दिया।

राज्यपाल ने कहा कि गणपति को बुद्धि, सुख देने वाला, दुःख को समाप्त करने वाला देवता माना जाता है। बच्चों की पढ़ाई गणेशाय नमः लिखाकर शुरू होती है। गणपति को भारतीय संस्कृति में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त है। उन्होंने कहा कि गणपति सुख और समृद्धि के देवता है।

श्री नाईक ने कहा कि गणपति उत्सव की शुरूआत महाराष्ट्र में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने देश को आजादी दिलाने की दृष्टि से जनता में जागृति पैदा करने के लिए की थी। बालगंगाधर तिलक ने घर-घर में होने वाली गणेश पूजा को सामूहिक उत्सव बनाने के लिए गणेश उत्सव की शुरूआत की। आज गणेश उत्सव पूरे हिन्दुस्तान के साथ-साथ विदेशों में बसे भारतीयों द्वारा भी मनाया जाता है। बालगंगाधर तिलक ने कहा था कि स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है मैं उसे लेकर रहूंगा। उन्होंने कहा कि बालगंगाधर तिलक ने शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक उत्सव के रूप में मनाने की परम्परा का भी शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण भी उपस्थित थे।

---

अंजुम/ललित/राजभवन (331/23)

मनोकामनाओं के राजा
श्री गणेश प्राकट्य कमेटी, लखनऊ